प्रथम सत्र

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र (2021-22)

हिन्दी पाठ्यक्रम - अ (कोड-002)

कक्षा - दसवीं

निर्धारित समय-90 मिनट | अधिकतम अंक-40

सामान्य निर्देश-

- इस प्रश्नपत्र में तीन खंड हैं - खंड - क, खंड - ख और खंड - ग |
- इस प्रश्नपत्र में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं |सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं | दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |
- खंड-क में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 10 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए |
- खंड-ख में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 16 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए |
- खंड-ग में कुल 14 प्रश्न पूछे गए हैं | सभी प्रश्न अनिवार्य हैं |
- सही उत्तर वाले गोले को भली प्रकार से केवल नीली या काली स्याही वाले बॉल पॉइंट पेन से ही ओ.एम.आर.शीट में भरें |

खंड - क

(अपठित गद्यांश) अंक-10

1 नीचे <u>दो अपठित</u> गद्यांश दिए गए हैं | <u>किसी एक</u> गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए- 1x5=5

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, बाल श्रम को इस प्रकार परिभाषित किया गया है: *“वह काम जो बच्चों को उनके बचपन, उनकी क्षमता और उनकी गरिमा से वंचित करता है, और जो शारीरिक और मानसिक विकास के लिए हानिकारक है।”*

एक सामाजिक बुराई के रूप में संदर्भित, भारत में बाल श्रम एक अनिवार्य मुद्दा है जिससे देश वर्षों से निपट रहा है। लोगों का मानना है कि बाल-श्रम जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने का दायित्व सिर्फ सरकार का है | यदि सरकार चाहे तो कानून का पालन न करने वालों एवं कानून भंग करने वालों को सजा देकर बाल-श्रम को समाप्त कर सकती है, किंतु वास्तव में ये केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि इसे सभी सामाजिक संगठनों, मालिकों, और अभिभावकों द्वारा भी समाधित करना चाहिए।

हमारे घरों में, ढाबों में, होटलों में, खानों, कारखानों में अनेक बाल-श्रमिक मिल जाएँगे, जो कड़ाके की ठंड और तपती धूप की परवाह किए बिना काम करते हैं | विकासशील देशों में गरीबी और उच्च स्तर की बेरोजगारी बाल श्रम का मुख्य कारण है। बाल मजदूरी इंसानियत के लिये अपराध है जो समाज के लिये श्राप बनती जा रही है तथा जो देश की वृद्धि और

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in/

विकास में बाधक के रुप में बड़ा मुद्दा है। हमें सोचना होगा कि सभ्य समाज में यह अभिशाप क्यों मौजूद है ? जिस उम्र में बच्चों को सही शिक्षा मिलनी चाहिए, खेल कूद के माध्यम से अपने मस्तिष्क का विकास करना चाहिए उस उम्र में बच्चों से काम करवाने से बच्चों का शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक विकास रुक जाता है। शिक्षा का अधिकार मूल अधिकार होता है। शिक्षा से किसी भी बच्चे को वंचित रखना अपराध माना जाता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकारी स्तर से लेकर व्यक्तिगत स्तर तक सभी लोग इसके प्रति सजग रहें और बाल-श्रम के कारण बच्चों का बचपन न छिन जाए, इसके लिए कुछ सार्थक पहल करें | आम आदमी को भी बाल मजदूरी के विषय में जागरूक होना चाहिए और अपने समाज में इसे होने से रोकना चाहिए। बालश्रम को खत्म करना केवल सरकार का ही कर्तव्य नहीं है हमारा भी कर्तव्य है कि हम इस अभियान में सरकार का पूरा साथ दें।

(i) गद्यांश के आधार पर बताइए कि बाल-श्रम जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए लोगों की सोच कैसी है ?

(क) बाल-श्रम को समाप्त करना केवल समाजसेवी संस्थाओं का दायित्व है |
(ख) बाल-श्रम को समाप्त करना केवल जनता का दायित्व है |
(ग) बाल-श्रम को समाप्त करना केवल सरकार का दायित्व है |
(घ) बाल-श्रम को समाप्त करना केवल अभिभावकों का दायित्व है |

(ii) घरों में, ढाबों में, होटलों में, खानों, कारखानों में अनेक बाल-श्रमिकों को काम करता देखकर भी हम उदासीन क्यों बने रहते हैं ?

(क) हम सिर्फ अपने बारे में ही सोचते हैं |
(ख) हम जागरूक बनना नहीं चाहते |
(ग) हम उनकी सहायता करना नहीं चाहते |
(घ) हम संवेदना शून्य हो चुके हैं |

(iii) गद्यांश के आधार पर बताइए कि बाल-श्रम को रोकने के लिए सार्थक प्रयास क्यों किए जाने चाहिए ?

(क) बाल-श्रम के कारण बच्चों का बचपन छिन जाता है |
(ख) बाल-श्रम के कारण वे जल्दी बड़े हो जाते हैं |
(ग) बाल-श्रम के कारण बच्चों को घर पर ही रहना पड़ता है |
(घ) बाल-श्रम के कारण बच्चों को विद्यालय आना नहीं पड़ता |

(iv) बच्चों को बाल-श्रम के लिए क्यों विवश किया जाता है ?

https://www.evidyarthi.in/

(क) जागरूकता का अभाव |
(ख) निर्धनता और भुखमरी |
(ग) शिक्षा का अभाव |
(घ) लोगों की मनोवृति |

(v) बाल-श्रम जैसे सामाजिक अभिशाप से देश को क्या नुकसान होता है ?
(क) बाल श्रम एक बच्चे को बचपन के सभी लाभों से दूर रखता है |
(ख) लाखों बच्चे उचित शिक्षा से वंचित हो जाते हैं |
(ग) बच्चों का शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास अवरुद्ध हो जाता है |
(घ) बाल-श्रम से देश का आने वाला कल अंधकार की ओर जाने लगता है।

अथवा

निसंदेह सहजता से हर एक दिन भिन्न-भिन्न भूमिकाएँ जीते हुए, महिलाएँ किसी भी समाज का स्तम्भ हैं । लेकिन आज भी दुनिया के कई हिस्सों में समाज उनकी भूमिका को नज़रअंदाज़ करता है। इसके चलते महिलाओं को बड़े पैमाने पर असमानता, उत्पीड़न, वित्तीय निर्भरता और अन्य सामाजिक बुराइयों का खामियाजा सहन करना पड़ता है। भारत में महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता के बहुत से कारण सामने आते हैं। प्राचीन काल की अपेक्षा मध्य काल में भारतीय महिलाओं के सम्मान स्तर में काफी कमी आयी। जितना सम्मान उन्हें प्राचीन काल में दिया जाता था, मध्य काल में वह सम्मान घटने लगा था।

आधुनिक युग में कई भारतीय महिलाएँ कई सारे महत्वपूर्ण राजनैतिक तथा प्रशासनिक पदों पर पदस्थ हैं, फिर भी सामान्य ग्रामीण महिलाएँ आज भी अपने घरों में रहने के लिए बाध्य हैं और उन्हें सामान्य स्वास्थ्य सुविधा और शिक्षा जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध नहीं है। ग्रामीण महिलाएँ सदियों से घर तथा खेतों में पुरुषों के बराबर ही काम करती आई हैं, लेकिन वहाँ उन्हें सामंती सोच के कारण दूसरे दर्जे का नागरिक ही माना जाता रहा है | अब ग्रामीण समाज की सोच बदलने का वक्त आ गया है | सामाजिक असमानता, पारिवारिक हिंसा, अत्याचार और आर्थिक अनिर्भरता इन सभी से महिलाओं को छूटकारा पाना है तो जरुरत है महिला सशक्तिकरण की।

महिला सशक्तिकरण से महिलाएँ आत्मनिर्भर और शक्तिशाली बनती हैं | जिससे वे अपने जीवन से जुड़े हर फैसले स्वयं ले सकती हैं और परिवार और समाज में अपना स्थान बनाती हैं । समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना महिला सशक्तिकरण है । महिला सशक्तिकरण का अर्थ है महिलाओं को राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक क्षेत्रों में बराबर का भागीदार बनाया जाए | भारतीय महिलाओं का सशक्तिकरण बहुत हद तक भौगोलिक (शहरी और ग्रामीण), शैक्षणिक योग्यता, और सामाजिक एकता के ऊपर निर्भर करता है |

https://www.evidyarthi.in/

महिला सशक्तिकरण से महिलाएँ केवल आर्थिक रूप से सुदृढ़ ही नहीं हुई हैं, अपितु परिवार और समाज की सोच में भी सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देने लगे हैं | वर्तमान समय में लोग बेटियों को बोझ समझकर दुनिया में आने से पहले ही मारें नहीं, इसलिए विकास की मुख्यधारा में महिलाओं को लाने के लिये भारत सरकार के द्वारा कई योजनाएं चलाई गई हैं।

(i) गद्यांश के आधार पर बताइए कि महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता क्यों महसूस की गई ?

(क) समाज में महिलाओं की स्थिति निर्बल थी |

(ख) वे आत्मनिर्भर थी |

(ग) वे अपने निर्णय लेने में सक्षम थीं |

(घ) वे शिक्षित थीं |

(ii) ग्रामीण सोच में परिवर्तन लाने के लिए क्या किया जा सकता है ?

(क) गाँवों में सुविधाएँ उपलब्ध कराना |

(ख) सड़कें बनवाना |

(ग) अंधविश्वास और रूढ़ियों का विरोध |

(घ) शिक्षा का प्रचार-प्रसार |

(iii) अब लोग बेटियों को बोझ नहीं समझते,यह समाज की किस सोच का परिणाम है ?

(क) पुरातन |

(ख) सकारात्मक |

(ग) नकारात्मक |

(घ) संकीर्ण |

(iv) महिला सशक्तिकरण से परिवार की आर्थिक स्थिति पर क्या प्रभाव दिखाई दिया ?

(क) वितीय निर्भरता समाप्त |

(ख) आर्थिक स्थिति में दुर्बलता |

(ग) आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता |

(घ) वित्तीय ऋण से मुक्ति |

(v) क्या महिलाओं के सशक्तिकरण का पक्ष मात्र आर्थिक रूप से सशक्त होना ही है ?

(क) हाँ, इससे वे आत्मनिर्भर हो जाती हैं |

(ख) नहीं, इससे उन्हें दोहरी जिम्मेदारियाँ निभानी पड़ती हैं |

https://www.evidyarthi.in/

(ग) हाँ, इससे वे शक्तिशाली बनती हैं |

(घ) नहीं, उनका भय-मुक्त,प्रतिबंधों से मुक्त होना भी आवश्यक है |

2 नीचे दो काव्यांश दिए गए हैं | किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए- 1x5=5

देश के आज़ाद होने पर बिता लंबी अवधि
अब असह्य इस दर्द से हैं धमनियाँ फटने लगीं
व्यर्थ सीढ़ीदार खेतों में कड़ी मेहनत किए
हो गया हूँ और जर्जर, बोझ ढोकर थक गया
अब मरूँगा तो जलाने के लिए मुझको,
अरे ! दो लकड़ियाँ भी नहीं होंगी सुलभ इन जंगलों से |
वन कहाँ हैं ? जब कुल्हाड़ों की तृषा है बढ़ रही
काट डाले जा रहे हैं मानवों के बंधु तरुवर
फूल से, फल से, दलों से, मूल से, तरु-छाल से
सर्वस्व देकर जो मनुज को लाभ पहुँचाते सदा
कट रहे हैं ये सभी वन,
पर्वतों की दिव्य शोभा हैं निरंतर हो रही विद्रूप,
ऋतुएँ रो रहीं गगनचुम्बी वन सदा जिनके हृदय से
फूटते झरने, नदी बहती सुशीतल नीर की
हर पहर नित चहकते हैं कूकते रहते विहग
फूल पृथ्वी का सहज श्रृंगार करते हैं जहाँ |

(i) *'अब असह्य इस दर्द से'* - में असह्य दर्द का कारण क्या है ?

(क) आज़ादी के बाद लंबी अवधि बिता देना |

(ख) खेतों में कड़ी मेहनत करना |

(ग) वनों का न रहना |

(घ) जर्जर हो जाना |

(ii) *'जब कुल्हाड़ों की तृषा है बढ़ रही'*- कथन से क्या तात्पर्य है ?

(क) हिंसा बढ़ना|

(ख) सामाजिक क्रांति होना |

(ग) युद्ध का अवसर आना |

(घ) पेड़ों को काटकर भी तृप्त न होना |

(iii) अंत्येष्टि के लिए लकड़ियाँ सुलभ न होने का कारण है-

https://www.evidyarthi.in/

(क) वन काटे जा रहे हैं |
(ख) वर्षा के अभाव में वनों का सूखना |
(ग) वन महोत्सव |
(घ) मुनाफाखोरी |

(iv) पेड़ों को मानव-बंधु क्यों कहा गया है ?
(क) मानव पेड़ों का व्यापार करता है |
(ख) पेड़ हमें अपना सर्वस्व देते हैं |
(ग) पेड़ हमें ईंधन देते हैं |
(घ) मानव पेड़ों का रक्षक है |

(v) इस कविता में क्या प्रेरणा दी गई है ?
(क) स्वच्छता की |
(ख) स्वार्थी बनने की |
(ग) वन-कटाई की |
(घ) वन-संरक्षण की |

अथवा

मैं बचपन को बुला रही थी बोल उठी बिटिया मेरी।
नन्दन वन-सी फूल उठी यह छोटी-सी कुटिया मेरी।।

'माँ ओ' कहकर बुला रही थी मिट्टी खाकर आई थीं।
कुछ मुँह में कुछ लिए हाथ में मुझे खिलाने लाई थी।।

पुलक रहे थे अंग, दृगों में कौतुहल था छलक रहा।
मुँह पर थी आह्लाद-लालिमा विजय-गर्व था झलक रहा।।

मैंने पूछा 'यह क्या लाई'? बोल उठी वह 'माँ, काओ'।
हुआ प्रफुल्लित हृदय खुशी से मैंने कहा- 'तुम्हीं खाओ'।।

पाया मैंने बचपन फिर से बचपन बेटी बन आया।
उसकी मंजुल मूर्ति देखकर मुझ में नवजीवन आया।।

मैं भी उसके साथ खेलती खाती हूँ, तुतलाती हूँ।
मिलकर उसके साथ स्वयं मैं भी बच्ची बन जाती हूँ।।

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in/

जिसे खोजती थी बरसों से अब जाकर उसको पाया।
भाग गया था मुझे छोड़कर वह बचपन फिर से आया।।

- सुभद्रा कुमारी चौहान

(i) काव्यांश के आधार पर बताइए कि कवयित्री ने अपने बचपन को किस रूप में पुनः पाया ?

(क) सहेली के रूप में |
(ख) अपनी बिटिया के रूप में |
(ग) बचपन की मधुर स्मृति के रूप में |
(घ) माँ के रूप में |

(ii) कवयित्री वर्षों से किसे खोज रहीं थीं ?

(क) अपनी बेटी को |
(ख) बचपन की सहेली को |
(ग) अपनों के साहचर्य को |
(घ) अपने बचपन को |

(iii) कवयित्री की बेटी के चेहरे पर किस कारण विजय- गर्व झलक रहा था ?

(क) माँ को संग खेलते देखकर |
(ख) माँ के साथ मिट्टी में खेलने के कारण |
(ग) माँ को मिट्टी खिलाने लाने के कारण |
(घ) माँ को प्रसन्न देखकर |

(iv) मिट्टी खिलाने आई बेटी की छवि कैसी थी ?

(क) उसका शरीर धूल धूसरित था और आँखों में डर था |
(ख) उसका अंग-अंग पुलकित हो रहा था और उसकी भोली आँखों से उत्सुकता छलक रही थी।
(ग) उसकी आँखों में शरारत नज़र आ रही थी |
(घ) उसकी छवि मनमोहक और आकर्षक थी |

(v) बेटी और माँ के बीच क्या संवाद हुआ ?

(क) माँ ने पूछा 'यह क्या लाई हो' और बेटी बोल उठी 'माँ ! काओ।'
(ख) माँ ने पूछा 'मिट्टी क्यों खा रही हो ?' और बेटी बोल उठी 'माँ ! तुम भी खाओ |'
(ग) माँ ने पूछा 'क्या खेल रही हो ? और बेटी बोल उठी 'माँ ! आओ तुम भी खेलो |'
(घ) माँ ने पूछा 'हाथ में क्या लाई हो?'और बेटी बोल उठी 'माँ ! तुम्हारे लिए मिट्टी लाई हूँ |'

खंड - ख

https://www.evidyarthi.in/

(व्यावहारिक व्याकरण) अंक-16

3 निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 1x4=4

(i) बादल घिर आए और वर्षा होने लगी |
रचना के आधार पर वाक्य-भेद है -
(क) सरल वाक्य |
(ख) मिश्र वाक्य |
(ग) संयुक्त वाक्य |
(घ) साधारण वाक्य |

(ii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है -
(क) अवनि आई और पढ़ने बैठ गई |
(ख) बच्चे दूध पीकर सो गए |
(ग) अध्यापक के सामने सब शांत रहते हैं |
(घ) जो झूठ बोलते हैं, उन पर विश्वास मत करो |

(iii) आनंद चार दिन गाँव में रहा | वह सबका प्रिय हो गया |
इस वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरण होगा -
(क) आनंद चार दिन गाँव में रहा और सबका प्रिय हो गया |
(ख) जब आनंद चार दिन गाँव में रहा,तब वह सबका प्रिय हो गया |
(ग) आनंद चार दिन गाँव में रहकर सबका प्रिय हो गया |
(घ) आनंद जब चार दिन गाँव में रहा तो वह सबका प्रिय हो गया |

(iv) वह पुस्तक कहाँ है, <u>जो कल खरीदी थी</u> ?
रेखांकित उपवाक्य का भेद है -
(क) संज्ञा आश्रित उपवाक्य |
(ख) सर्वनाम आश्रित उपवाक्य |
(ग) क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य |
(घ) विशेषण आश्रित उपवाक्य |

(v) निम्नलिखित में सरल वाक्य है -
(क) जैसे ही वर्षा हुई वैसे ही मोर नाचने लगे |
(ख) वर्षा हुई और मोर नाचने लगे |
(ग) वर्षा होते ही मोर नाचने लगे |
(घ) जब वर्षा होती है तब मोर नाचते हैं |

https://www.evidyarthi.in/

4 निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 1x4=4

(i) निम्नलिखित वाक्य का वाच्य लिखिए -

पर्यटकों द्वारा तीर्थ यात्रा की जाएगी |

(क) कर्तृ वाच्य |

(ख) भाव वाच्य |

(ग) कर्म वाच्य |

(घ) करण वाच्य |

(ii) हालदार साहब ने पान खाया |

उपर्युक्त वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए |

(क) हालदार साहब द्वारा पान खाया जाता है |

(ख) हालदार साहब से पान नहीं खाया जाता |

(ग) हालदार साहब पान खा रहे हैं |

(घ) हालदार साहब द्वारा पान खाया गया |

(iii) पक्षी बाग छोड़कर नहीं उड़े |

उपर्युक्त वाक्य को भाव वाच्य में बदलिए |

(क) पक्षी बाग छोड़कर नहीं उड़ सके |

(ख) पक्षियों से बाग छोड़कर उड़ा नहीं गया |

(ग) पक्षी बाग छोड़कर नहीं उड़ सकते |

(घ) पक्षियों से बाग छोड़कर उड़ा नहीं जाता |

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृ वाच्य वाला वाक्य छांटिए-

(क) छात्रों द्वारा सभी का स्वागत हुआ |

(ख) छात्रों से सभी का स्वागत करवाया गया |

(ग) छात्रों ने सभी का स्वागत किया |

(घ) छात्रों द्वारा सभी का स्वागत किया जाएगा |

(v) निम्नलिखित में से कौन-सा भाव वाच्य का सही विकल्प है ?

(क) आओ, वहाँ बैठे |

(ख) आओ वहाँ बैठा जाए |

(ग) अब वहाँ बैठते हैं |

(घ) चलो, अब वहाँ बैठें |

https://www.evidyarthi.in/

5 निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 1x4=4

(i) हम कल दिल्ली जा रहे हैं | रेखांकित पद का परिचय है -

(क) जातिवाचक संज्ञा,एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक |

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक |

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक |

(घ) जातिवाचक संज्ञा,एकवचन, पुल्लिंग, अपादान कारक |

(ii) यह बालक बहुत मेधावी है |

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक |

(ख) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक |

(ग) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य 'बालक' |

(घ) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य 'बालक' |

(iii) अचानक वर्षा होने लगी |

(क) कालवाचक क्रिया विशेषण, 'होने लगी' क्रिया की विशेषता |

(ख) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, 'होने लगी' क्रिया की विशेषता |

(ग) स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'होने लगी' क्रिया की विशेषता |

(घ) परिमाणवाचक क्रिया विशेषण, 'होने लगी' क्रिया की विशेषता |

(iv) वाह ! भारत मैच जीत गया |

(क) समुच्चयबोधक अव्यय |

(ख) विस्मयादिसूचक अव्यय, शोकसूचक भाव की अभिव्यक्ति |

(ग) संबंधबोधक अव्यय |

(घ) विस्मयादिसूचक अव्यय,प्रसन्नतासूचक भाव की अभिव्यक्ति |

(v) शाबाश ! तुमने बहुत अच्छा कार्य किया |

(क) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, कर्ता कारक |

(ख) निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, कर्ता कारक |

(ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, कर्ता कारक |

(घ) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, कर्म कारक |

6 निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 1x4=4

(i) *एक ओर अजगरहिं लखि एक ओर मृगराय |*

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in/

विकल बटोही बीच ही, परयो मूरछा खाय ||

उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में निहित रस है -

(क) वीर रस |

(ख) करुण रस |

(ग) भयानक रस |

(घ) रौद्र रस |

(ii) 'उत्साह' किस रस का स्थायी भाव है ?

(क) शांत रस |

(ख) वीर रस |

(ग) हास्य रस |

(घ) रौद्र रस |

(iii) *श्रीकृष्ण के सुन वचन अर्जुन क्षोभ से जलने लगे |*
सब शील अपना भूलकर करतल युगल मलने लगे |
संसार देखे अब हमारे शत्रु रण में मृत पड़े |
करते हुए यह घोषणा वे हो गए उठ कर खड़े ||

उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में निहित रस है -

(क) रौद्र रस |

(ख) वीभत्स रस |

(ग) भयानक रस |

(घ) वीर रस |

(iv) विभाव, अनुभाव और संचारी भावों की सहायता से क्या रस रूप में परिणत हो जाते हैं ?

(क) आलंबन विभाव |

(ख) व्यभिचारी भाव |

(ग) उद्दीपन विभाव |

(घ) स्थायी भाव |

(v) 'अद्भुत रस' का स्थायी भाव है -

(क) भय |

(ख) विस्मय |

(ग) जुगुप्सा |

https://www.evidyarthi.in/

(घ) क्रोध |

खंड - ग

(पाठ्य पुस्तक) अंक-14

7 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए- 1x5=5

नहीं साब ! वो लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में | पागल है पागल ! वो देखो, वो आ रहा है | आप उसी से बात कर लो | फ़ोटो-वोटो छपवा दो उसका कहीं |
हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा | मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए | एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लँगड़ा आदमी सिर पर गांधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था | तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं ! फेरी लगाता है ! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए | पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं ? क्या यही इसका वास्तविक नाम है ? लेकिन पानवाले ने साफ़ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं|

(i) प्रस्तुत गद्यांश में देशभक्त किसे कहा गया है ?
(क) हालदार साहब को |
(ख) कैप्टन चश्मेवाले को |
(ग) सामान्य आदमी को |
(घ) लेखक को |

(ii) पानवाले की कौन-सी बात हालदार साहब को अच्छी नहीं लगी ?
(क) मूर्ति बनानेवाले का अपमान |
(ख) हालदार साहब पर हँसना |
(ग) मूर्तिकार के कार्य पर टीका-टिप्पणी |
(घ) एक देशभक्त का मज़ाक उड़ाना |

(iii) चश्मेवाला एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस क्यों टिका रहा था ?
(क) उसकी अपनी कोई दुकान नहीं थी |
(ख) उसे किसी से बात करनी थी |
(ग) यह दुकान बाज़ार के बीचों-बीच थी |
(घ) वह उसके जानकार की दुकान थी |

https://www.evidyarthi.in/

(iv) हालदार साहब पानवाले से कैप्टन चश्मेवाले के बारे में क्या पूछना चाहते थे ?

(क) चश्मेवाला फेरी क्यों लगाता है ?

(ख) वह चश्मे कब से बेच रहा है ?

(ग) इसे कैप्टन क्यों कहते हैं ?

(घ) वह कहाँ रहता है ?

(v) हालदार साहब किस कारण कैप्टन के बारे में और जानकारी प्राप्त नहीं कर सके ?

(क) पानवाले ने इस बारे में बात करने से मना कर दिया |

(ख) पानवाला कैप्टन के बारे में अधिक नहीं जानता था |

(ग) हालदार साहब के पास समय की कमी थी |

(घ) कैप्टन ने जानकारी देने से मना कर दिया |

8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए- 1x2=2

(i) बेटे की मृत्यु के पश्चात् बालगोबिन भगत का आखिरी निर्णय क्या था ?

(क) पतोहू का पुनर्विवाह करवाना |

(ख) पतोहू को शिक्षा दिलवाना |

(ग) पतोहू को घर से निकालना |

(घ) पतोहू से घृणा करना |

(ii) लेखक रामवृक्ष बेनीपुरी जी बालगोबिन भगत की किस विशेषता पर अत्यधिक मुग्ध थे ?

(क) पहनावे पर |

(ख) व्यवहार पर |

(ग) मधुर गान पर |

(घ) कार्य कुशलता पर |

9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए- 1x5=5

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा॥
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही॥
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई॥
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा॥
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा॥
सुनि मुनि बचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अपमाने॥
बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं॥

https://www.evidyarthi.in/

येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू॥

रे नृप बालक काल बस बोलत तोहि न सँभार।
धनुही सम तिपुरारि धनु बिदित सकल संसार॥

(i) परशुराम के क्रोध को शांत करने के लिए राम ने उनसे क्या कहा ?
(क) धनुष तोड़नेवाला कोई राजकुमार है |
(ख) धनुष तोड़नेवाला आपका कोई सेवक होगा |
(ग) धनुष तोड़नेवाला आपका कोई मित्र होगा |
(घ) यह धनुष अपने आप टूट गया |

(ii) स्वयंवर में जो धनुष टूट गया था, वह किसका धनुष था ?
(क) राजा जनक का |
(ख) राम का |
(ग) विष्णु जी का |
(घ) परशुराम जी के आराध्य शिवजी का |

(iii) शिव-धनुष टूटने पर परशुराम क्रोधित क्यों हुए ?
(क) परशुराम जी शिव-भक्त थे और उन्हें शिव-धनुष प्रिय था |
(ख) उन्हें सीता-स्वयंवर में आमंत्रित नहीं किया गया था |
(ग) वे क्षत्रिय कुल के विद्रोही थे |
(घ) परशुराम जी क्रोधी स्वभाव के थे |

(iv) 'भृगुकुलकेतू' किसे कहा गया है ?
(क) लक्ष्मण को |
(ख) राजा जनक को |
(ग) परशुराम को |
(घ) विश्वामित्र को |

(v) शिव-धनुष तोड़ने वाले की तुलना परशुराम ने अपने किस शत्रु से की है ?
(क) कर्ण |
(ख) सहसबाहु |
(ग) घटोत्कच |
(घ) दुर्योधन |

https://www.evidyarthi.in/

10 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए- 1x2=2

(i) गोपियों के अनुसार किसने राजनीति की शिक्षा प्राप्त कर ली है ?

(क) कंस ने |

(ख) नंद ने |

(ग) श्री कृष्ण ने |

(घ) उद्धव ने |

(ii) 'सूरदास के पद' के आधार पर बताइए कि गोपियों ने व्यंग्य कसते हुए किसे भाग्यशाली कहा है ?

(क) श्री कृष्ण को |

(ख) उद्धव को |

(ग) सूरदास को |

(घ) स्वयं को |

https://www.evidyarthi.in/